अलविदा बैजी डॉल्फिन !

समुद्र में भी प्राणियों की कई प्रजातियां पाई जाती हैं। इन्हीं में से एक है डॉल्फिन की बैजी प्रजाति, जो चीन की यांगत्ज़े नदी में पाई जाती थी।

हाल ही में जारी *दी वर्ल्ड कन्ज़र्वेशन यूनियन* की रिपोर्ट में बैजी को 'संभवतः विलुप्त' घोषित कर दिया गया हैं। इस रिपोर्ट को जारी करने के पूर्व छह हफ्तों तक यांगत्ज़े नदी में डॉल्फिन को खोजने के लिए एक मुहिम चलाई गई थी लेकिन एक भी डॉल्फिन नज़र नहीं आई। इससे पहले भी नवंबर और दिसंबर 2006 में भी ऐसी ही एक मुहिम चलाई गई थी। तब यांगत्ज़े नदी में दो स्वतंत्र नावों को नदी में ऊपर से नीचे की ओर चलाया गया तथा साथ ही हाइड्रोफोन्स भी लगाए गए थे। हाइड्रोफोन्स एक प्रकार का यंत्र होता है, जिससे पानी के नीचे की आवाज़ सुनी जा सकती है। लेकिन न तो बैजी की आवाज़ सुनाई दी, न ही वे नज़र आईं।

ज़ुऑलॉजिकल सोसायटी ऑफ लंदन की टीम के सदस्य सेमुअल टर्वे (जो जीवजगत पर होने वाले दुष्प्रभावों पर शोध करते हैं) ने कहा कि बैजी डॉल्फिन का विलुप्त होना बहुत ही पीड़ादायक है। उन्होंने बताया कि हमारी टीम ने एक प्रोग्राम बनाया था कि यदि एक भी बैजी नज़र आती है तो हम उसे संरक्षित वातावरण में लाकर प्रजनन द्वारा उसकी संख्या में वृद्धि कराएंगे। लेकिन यह एक सपना बनकर ही रह गया। 1986 में भी इस तरह की योजना बनी थी पर वह भी साकार नहीं हो सकी थी।

सन 1970 में एक चीनी वैज्ञानिक के अनुसार यांगत्ज़े नदी में 400 बैजी थीं, जो धीरे-धीरे या तो वहां से जा रही थीं या नष्ट होती जा रही थीं। दो दशक बाद यानी 1990 में उन्होंने बताया कि सिर्फ 13 बैजी बची हैं। लेकिन 2002 आते-आते सिर्फ एक नर बैजी 'की-की' बचा था जो कुछ समय पश्चात मर गया।

बैजी के विलुप्त होने की सीधी वजह मछुआरे हैं जो मछलियां पकड़ने नदी में जाते हैं। कई बार मछलियां पकड़ते वक्त बैजी व अन्य समुद्री जीव भी इनके जाल में फंसकर घायल हो जाते थे। मछुआरे उन्हें घायल अवस्था में ही वापस समुद्र में फेंक देते थे। इसका परिणाम उनकी मौत ही होता था।

वैसे मत्स्याखेट की यह समस्या कई जगह देखी जा रही है। मछलियों के साथ कई सारे अन्य जंतु पकड़ में आ जाते हैं, जिसे बायकैच कहते हैं। एक अनुमान के मुताबिक इस तरह बायकैच के रूप में दुनिया भर में 73 लाख टन जंतु हर साल पकड़े जाते हैं। इसकी वजह से महासागरों में रहने वाले समुद्री जीव खतरे में हैं। हमें सावधान हो जाना चाहिए कि कहीं बैजी की तरह दूसरे समुद्री जीव भी विलुप्त न हो जाएं। ***(स्रोत फीचर्स)***